

तदा नागकुमारकान् MBh. 1, 5018. यस्तु पार्श्वमसौ रामस्याक्रम्य तिष्ठति *der an Rāma's Seite steht* R. 6, 4, 28. पृथिवीम् अतरितम्. दिवमाक्रमिषम् TS. 5, 6, 8, 1. AV. 18, 4, 6. इम उक्ता मृत्युप्राणा यानाक्रम्य न मुच्यसे 8, 8, 16. न तमाक्रमितुं नागाः शक्नुवन्ति वराश्रमम् R. 3, 76, 25. 25, 14. यं च पन्थानमाक्रम्य प्रयाति मनुजेश्वरः 5, 81, 22. सिद्धमार्गमाक्रम्य MBh. 3, 1753. यदा प्रभति चाक्राता दिगियं पुण्यकर्मणा R. 3, 17, 21. (राज्ये) पाषाण्डिगणाक्राते M. 4, 61. 8, 22. — 2) *auf Etwas treten*: आ वौ मूर्धानमक्रमीम् RV. 10, 166, 5. न च वर्द्धिराक्रामति ÇĀṅKH. Çr. 3, 16, 18. देवतानां गुरोः u. s. w. नाक्रमेत्कामतश्छायाम् M. 4, 130. JĀGŪ. 1, 152. आक्रामति वद्धः कुतपम् P. 4, 3, 40. Sch. गिरिराक्रम्यमाणस्य R. 5, 5, 11. पादं पादेन नाक्रमेत् MBh. 13, 4982. कृत्वा गौ — पदाक्रामसि पुच्छेद्रे 3, 15646. पदा मस्तकमाक्रम्य M. 11, 43. उरसि पदाक्रम्य Bhāg. P. 5, 26, 29. आक्रम्य च कटीदेशे जानुना रत्नसाधमम् MBh. 3, 449. *mit Füßen treten* Bhāg. P. 4, 7, 16. तितितन्त्यक्रमं वैन्य उपयोक्रामतामपि 4, 16, 7. (असुरैः) भुव आक्रम्यमाणाय भ्रातार्य कृतोद्यमः 9, 24, 58. *auf Jmd (acc.) lasten, einen Druck ausüben*: आक्राता गधनस्थलेन गुरुणा गतुं न शक्ता Amar. 30. महादासेरकसार्या भाराक्रातः Pañkāt. 89, 9. इयं मूर्खभाराक्राता वसुधरा Mr̥śh. 113, 5. — 3) *sich an Etwas klammern, anpacken*: पर्वतायं तु लोकात्मा हस्तेनाक्रम्य केशवः । — ममन्य R. 1, 43, 31. आक्रम्य मानुषं कण्ठमाच्छिद्य धमनीमपि । उल्लं तव प्रयास्यामि केनिलं रुधिरं बद्ध ॥ MBh. 1, 5936. निगृह्य रोषं शोकं च धैर्यमाक्रम्य केवलम् R. 2, 22, 3. देवेनाक्रम्यते सर्वम् Viçv. 8, 22. *einen Angriff auf Jmd oder Etwas machen, in Besitz nehmen, in seine Gewalt bekommen, einnehmen*: शावकानाक्रम्य काटरमानिय प्रत्यहं खादति Hit. 20, 12. आक्रातोपनतः Kathās. 20, 5. ततस्तेनापि समकालमेवैकः पादास्तेनाक्रातो ऽन्यो देष्ट्राक्रम्यकेन Pañkāt. 167, 17. विजिगीषवो यथा परभूमिमाक्रमति (sic) Hit. 94, 14. राजा संप्रति बन्धुद्वीपमाक्रम्यावतिष्ठति 127, 13. त्रैलोक्यमाक्रम्य Mār. P. 18, 26. (मेघः) खं केशवो ऽपर इवाक्रमितुं प्रवृत्तः Mr̥śh. 76, 10. अस्माभिरियमाक्राता मदीया तेन वल्लभा Dhūrtas. 90, 16. आक्रातनायका *die den Liebhaber in ihrer Gewalt hat* Śib. D. 41, 18. 42, 19. *Bildlich*: आक्रातं मरणेन बन्धुम Bhārt. 3, 33. बलिभिर्मुखमाक्रातम् 9. शङ्कानिः सर्वमाक्रातमत्रं पानं च Hit. I, 21. आतपाक्रातो ऽयमुद्देशः Mālav. 48. 17. स्नेहेनाक्रातहृदयः R. 2, 98, 11. मदनाक्रात Kathās. 6, 14. भयाक्रात R. 4, 46, 14. प्राणास्त्रासाक्राताः Vid. 119. — 4) *an Etwas gehen, beginnen*: आक्राता तिलकक्रियापि तिलकैर्मिद्विरेफाञ्जैः Mālav. 40. वक्तुमाचक्रमे कयाम् R. 3, 4, 5. — 5) *aufsteigen, steigen zu — hinauf, ersteigen, besteigen*; med. P. 4, 3, 40. nach einem Vārtt. und Vop. 23, 31 bloss dann, wenn vom *Aufgang* der Gestirne die Rede ist. यावत् — आक्रमते न भानुः Ragh. 3, 71. P., Sch. Vop. आक्रामति धूमः Vop. आक्रामति धूमो हर्म्यतलम् P. 4, 3, 40. Vārtt., Sch. अत्रा अत्रा उतरा आक्रममाणा इव याति Çat. Br. 4, 3, 5, 5. उर्ध्व आक्रमते 14, 8, 12, 1. उर्ध्वाचक्रमे MBh. 1, 6600. 3, 1744. 12033. 15997. उर्ध्वाचक्रममाणाः 14997. अत्रो नाक्रमा क्रमताम् AV. 9, 3, 1. आक्रम्यमान 8. Çat. Br. 14, 6, 1, 8. 7, 1, 10. स्वर्गं लोकमाक्रमत Lit. 8, 12, 8. 10, 19, 13. दिवमाचक्रमे MBh. 1, 4076. 3, 776. 13, 5574. सिंहासनं प्राप्यमाक्रम्य Rāga-Tar. 5, 347. अथास्य धनमाक्रम्य तस्यैव गृध्रः R. 3, 29, 3. गामाक्रम्य *eine Kuh* Śib. D. 19, 1. *bespringen*: (गौः) आक्राता वृषभेण AK. 2, 9, 70. H. 1267. कैलासाख्या मङ्गान्गिरिः । योजनां न सहस्राणि बहून्माक्रम्य तिष्ठति *erhebt sich* Kathās. 1, 15. — *caus.* आक्रमयति *herbeikommen —, betreten lassen* TS. 5, 1, 2, 6. Çat. Br. 2, 1, 2, 23. 6, 3,

3, 9, 7, 3, 10. 13, 5, 1, 16. Kāt. Çr. 20, 5, 7. सुन्वतमाक्रमयन्दिशः 15, 5, 23. Lit. 9, 9, 21. स तैराक्रमयामास शुद्धातम् *er liess sie hereintreten in* Kumāras. 6, 52. — *desid.* आचिक्रंसते *aufsteigen wollen* P. 4, 3, 62, Sch. — Vgl. आक्रम fgg., आक्राति.

— अत्या *act. her- und vorüberschreiten*: अत्याक्रामति प्रतिप्रस्थाता Çat. Br. 4, 5, 2, 11. TS. 6, 2, 2, 3.

— अद्या 1) *herfallen über*: अद्याक्रम्य पशूंश्चापि घ्नति वै भक्षयति च MBh. 3, 13827. — 2) *erwählen*: अद्याक्राता वसतिरमुनाप्याश्रमे सर्वभागे ÇĀṅKH. 47.

— अन्वा 1) *der Reihe nach betreten, besuchen*: तीर्थपदः पदानि । अन्वाक्रमत् Bhāg. P. 3, 1, 17. — 2) *med. hinaufsteigen zu*: स आदित्यान्वाक्रमत् TS. 6, 5, 6, 3.

— अया *sich entfernen von*: यास्तु तस्मादपाक्रम्य (अपक्रम्य?) सोममेवाभिसंश्रिताः MBh. 13, 3717.

— अया *herantreten*: अयाक्रामम् *absol.* AV. 10, 7, 42.

— उपा *herfallen über*: ततः सत्त्वानुपाक्रामन्वह्नि MBh. 3, 11123.

— समुपा *gelangen zu*: खनतः समुपाक्राता दिशं सोमवतो तदा R. 1, 41, 21.

— निरा *hinaustreten*: इत्युक्त्वा स निराक्रामत् MBh. 1, 4292. रोमाञ्चलह्येण स (अभिलाषबन्धः) गात्रयष्टिं भित्वा निराक्रामद्रालकेण्याः Ragh. 6, 81.

— समा 1) *auf Jmd oder Etwas treten*: पदा चैनं समाक्रामत् MBh. 1, 955. समाक्राता मही पद्भ्यां समकम्पत 3, 12298. समाक्रामत्स तं शैलं स चचाल मङ्गान्गिरिः R. 5, 5, 11. समाक्रातो बलवता वानरेण मङ्गान्गिरिः 14. ततस्ते विविधैस्त्रैर्वध्यमानाः सुरारयः । मूर्ध्नि लह्म्या समाक्राता विनेशुः Mār. P. 18, 55. *auf Jmd (acc.) lasten, einen Druck ausüben*: गुरुभारसमाक्रातश्चाल च नुघूर्णं च R. 4, 13, 25. — 2) *einen Angriff auf Jmd machen, in Besitz nehmen*: बलीयसा समाक्रातो वैतसो वृत्तिमाचरेत् Pañkāt. III, 18. सममेव समाक्रातं द्वयं हिरदगामिना । तेन सिंहासनं पित्र्यमखिलं चारिमाण्डलम् ॥ Ragh. 4, 4. तं च चौरसमाक्रातं सपितृव्यपरिच्छदम् । सकलत्रं च लेभे ऽसौ तं खड्गं च मृगाङ्गकम् ॥ Kathās. 10, 193. रापसमाक्रात R. 5, 20, 2. Hierher ist viell. auch zu ziehen: सा तु त्वया समाक्राता प्रतिसा von dir ist das Versprechen gelöst worden (*du bist desselben Meisters geworden*) R. 4, 44, 54.

— उद् *act. (med. Praçnop. 2, 4, 3, 1) 1) hinaufschreiten, aufsteigen; her-austreten, hinaus-, davongehen* VS. 11, 21, 22. उत्क्रामतः पुरुषं मार्वं पत्याः AV. 8, 1, 4, 9, 3, 6. उदितस्त्रयो अक्रमन् 4, 3, 1, 8, 10, 2, 19, 19, 1. TS. 5, 1, 2, 1. यतो देवेभ्य उदक्रामत् Ait. Br. 1, 7, 18. ते स्तुवा प्राञ्च उच्चक्रामुः Çat. Br. 2, 2, 2, 12. 8, 5, 2, 1. यज्ञस्य शीर्षच्छिन्नस्य शुमुदक्रामत् 14, 1, 2, 13. उर्ध्वा दिशम् 5, 1, 2, 4. Kāt. Çr. 7, 2, 15. 20, 8, 19. उत्क्राम्याग्निचयात् R. 3, 9, 35. उत्क्रातवन्दिसर्दया भुवा Kathās. 14, 12. मूर्तितः M. 1, 55. Bhāg. 15, 8. MBh. 1, 7216. उत्क्रातशैशव *adj.* Kathās. 4, 2. उत्क्रातवर्णा (*Farbe*) Ragh. 16, 17. Häufig vom Lebenshauch: प्राणो मध्यत उदक्रामत् Çat. Br. 6, 1, 2, 12. 8, 1, 2, 3. 7, 2, 15. 13, 4, 2, 6. उर्ध्वं प्राणा ह्युत्क्रामति M. 2, 120. उत्क्रामद्भिः प्राणैः MBh. 13, 1828. उत्क्रमते und उत्क्रामते (*in der Bed. von अनूत्क्रामति mit dem acc.*) Praçnop. 2, 4, 3, 1. उत्क्रातवायु Ragh. 7, 50. उत्क्रातासु Rāga-Tar. 5, 428. उत्क्रातजीवित MBh. 1, 1492. R. 4, 21, 37. Auch kurz *hinausschreiten* so v. a. *sterben*: ऋषिपूत्क्रामत् Nis.